दिनांक 5 जून 2017 को इन्दौर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित ''प्रणाम इन्दौर'' कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में माननीय लोक सभा अध्यक्ष का भाषण

1. सर्वप्रथम, आज विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर यहां उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों, जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित समस्त जनता का मैं अभिनंदन करती हूं। ''स्वच्छता सर्वे 2017'' में इन्दौर के प्रथम स्थान आने पर मुझे ही नहीं बल्कि इन्दौर के एक–एक व्यक्ति को एक अनूठी खुशी का एहसास हो रहा है और सभी नागरिक अपने–आपको गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। आज का यह कार्यक्रम सभी इन्दौरवासियों सहित इस पुनीत कार्य में लगी सभी संस्थाओं, इन्दौर नगर निगम, राज्य शासन, महानगर विकास परिषद् तथा अन्य धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रयत्नों को सम्मानित करने एवं भविष्य में भी उन्हें इसी प्रकार कार्यरत रहने को प्रेरित करने से संबंधित है।

2. माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने गांधी जयंती पर ''स्वच्छ भारत अभियान'' की शुरूआत की थी, जिसके सकारात्मक परिणाम पूरे भारत में देखने को मिले हैं। इसी अभियान से प्रेरित होकर इन्दौर के लोगों ने साफ–सफाई के लिए विशेष प्रयास किए और परिणाम ये रहा कि **''स्वच्छता सर्वे 2017'' में इन्दौर को पहला स्थान मिला है।** यह समस्त इन्दौरवासियों, महिलाओं, पुरुषों, छात्र–छात्राओं, पार्षदों तथा विधायकों, महापौर, अधिकारीगण और विशेष रूप से हमारे सफाई कर्मचारियों, सभी के सम्मिलित प्रयास से ही संभव हुआ है।

3. आज यहां पर माननीय केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री वेंकैया नायडू जी उपस्थित हैं, उनका हार्दिक अभिनंदन है। उनकी ऊर्जा एवं क्रियाशीलता का ही परिणाम है कि आज हम

शहरी क्षेत्रों में अवसरंचना विकास (Infrastructure Development) के पथ पर तीव्र गति से अग्रसर हैं। नायडू जी ने प्रधानमंत्री जी की अपील को साकार करने की दिशा में सफलतापूर्वक कार्य किया है। इन्दौर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के लिए भी चुना गया है। शीघ्र ही, हम सब मिलकर इसे भारत की सर्वश्रेष्ठ स्मार्ट सिटी (world class smart city) बनाने का स्वप्न देखते हैं। हम सब अवगत हैं कि Smart city के लिए स्वच्छता एक बुनियादी आवश्यकता है।

4. माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी का भी अभिनन्दन है, जिन्होंने विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण की खूबसूरत जुगलबन्दी एवं जनभागीदारी के माध्यम से प्रगति की नई इबारत लिखी है। उन्होंने ''नमामि देवी नर्मदे सेवा यात्रा'' के रूप में नर्मदा संरक्षण के लिए 150 दिनों का जन–अभियान चलाकर जन–जन का ध्यान नदी संरक्षण की ओर आकृष्ट किया है।

5. यह गर्व का विषय है कि स्वच्छता सर्वे वाले 100 शहरों में 22 शहर मध्यप्रदेश से हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश की जनता ने स्वच्छता के संदेश को गंभीरता से लिया है एवं सभी लोग इस नेक काम में पूर्ण मनोयोग और स्वप्रेरणा से जुट गए हैं। प्रथम स्थान हासिल करना आसान नहीं होता है, पर उससे भी कठिन होता है उस स्थान पर बने रहना। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि इन्दौर की जनता न केवल अपना उच्च स्थान बरकरार रखेगी बल्कि स्वच्छता के विषय में नए प्रतिमान स्थापित करेगी।

6. यह उपलब्धि केवल सरकारी नीतियों, योजनाओं अथवा कानूनों से हासिल नहीं हो सकती थी। इसके लिए जन–भागीदारी एवं स्वप्रेरणा का सर्वाधिक महत्व है। कुछ लोगों में स्वप्रेरणा, नागरिक भावना एवं उत्तरदायित्व (civic sense and responsibility) का स्तर इतना ऊंचा होता है कि कोई देखे या न देखे, वे गंदगी नहीं फैलाने के सामाजिक दायित्व का निर्वहन जरूर करते हैं।

7. महानगर विकास परिषद्, इन्दौर ने भी यहां के मोहल्लों–कॉलोनियों के साथ ही धर्मस्थलों एवं सार्वजनिक स्थानों की सफाई में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। त्योहारों के अवसर पर परिषद् के सदस्य जनभागीदारी से सार्वजनिक स्थानों एवं धर्मस्थलों पर साफ–सफाई करते हैं। इस संस्था ने कूड़ा प्रबंधन के लिए डस्टबिन का वितरण कराया, साथ ही पॉलिथीन बैग के उपयोग को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से संस्था द्वारा जनसाधारण में अब तक इन्दौर के पांच विधानसभा क्षेत्रों में पन्द्रह हजार (15,000) जूट की थैलियों का वितरण कराया जा चुका है एवं 85 वार्डों में लगभग पचासी हजार (85,000) जूट की थैलियों के वितरण का कार्य चल रहा है। महानगर विकास परिषद् के ये कार्य अनुकरणीय एवं सराहनीय है।

8. यह एक अत्यन्त सुखद संयोग है कि आज पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'प्रणाम इन्दौर' कार्यक्रम, इन्दौरवासियों के साथ–साथ सफाई अभियान से जुड़े नगर निगम के सफाई कर्मचारियों एवं अधिकारियों को बधाई देने के लिए आयोजित किया जा रहा है। स्वच्छता पर्यावरण संरक्षण के लिए पहला सोपान (first activity) है। यह अत्यन्त सरल एवं विशद

भी है। व्यक्तिगत स्वच्छता से शुरू होकर गांव, कस्बा, जिला, राज्य, देश होते हुए विश्व तक इसका विस्तार होता है।

9. स्वच्छता के लिए आत्मानुशासन के साथ–साथ सामूहिक अनुशासन, सामाजिक अनुशासन, सांस्कृतिक अनुशासन भी अत्यन्त आवश्यक है। इसका एक ज्वलंत एवं सफल उदाहरण सिंगापुर है। साठ के दशक तक सिंगापुर में स्वच्छता का अभाव था। सर्वप्रथम, सन् 1968 में वहां के प्रधानमंत्री ली क्वान यू ने सिंगापुर में स्वच्छता अभियान की नींव रखी थी। उन्होंने कठोर कानून एवं उनका अनुपालन सुनिश्चित किया। लेकिन, उन्होंने जनता को प्रेरित कर उनमें सिंगापुर के प्रति गर्व और सम्मान का भाव इस तरह जागृत किया कि आज सिंगापुर का नाम ही स्वच्छ–स्वस्थ देश का पर्याय बन गया है। परिणामस्वरूप, यहां के पर्यटन और उद्योग के क्षेत्र में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। "Keep Singapore Clean" has transformed developing Singapore to Developed Singapore. इसी प्रकार, द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद यूरोपीय देशों ने भी अपनी नदियों, गांवों, कस्बों एवं शहरों की स्वच्छता में क्रांतिकारी सुधार किया है, फलस्वरूप उनके स्वास्थ्य एवं विकास में अभूतपूर्व सुधार एवं वृद्धि हुई है।

10. यह बहुत प्रेरणादायी है कि अखिल भारतीय स्तर पर ''**सोर्स सेग्रेगेशन कैम्पेन**** (Source Segregation Campaign)'' का शुभारंभ दिल्ली एवं इन्दौर से हो रहा है। यह एक बहुत ही सकारात्मक, प्रासंगिक एवं सामयिक पहल है। Recycling of bio-degradable material एक बुनियादी आवश्यकता है। 3R (Reduce, Reuse and

Recycle) के सूत्र पर Solid Waste Management का कार्य हो रहा है। कुशल एवं proper waste management से गांवो, कस्बों, नगरों और महानगरों के कचरा प्रबंधन की समस्या का निपटारा किया जा सकता है। Rapid Urbanisation समय की मांग है और इसी के चलते Waste Management आज के समय में एक गंभीर चुनौती है। Proper Urban and Rural Town Planning से न केवल हम बेहतर कूड़ा प्रबंधन कर सकते हैं बल्कि उनसे विद्युत एवं खाद उत्पादन का काम भी कर सकते हैं जो हमारी ऊर्जा एवं कृषि संबंधी गतिविधियों में भी सहयोगी सिद्ध हो सकता है।

11. स्वच्छता और स्वस्थ वातावरण के अभाव से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण दुनिया भर में लोगों को अनेक परेशानियां होती हैं। वर्तमान में पर्यटन अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग है। भारत के Gross Domestic Product (GDP) का 9.7 प्रतिशत हिस्सा पर्यटन से आता है एवं इस उद्योग से लगभग 4 करोड़ लोग संबद्ध हैं। स्वच्छता के स्तर में वृद्धि के परिणामस्वरूप भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है। वर्ष 2013 में जहां 69.7 लाख पर्यटक आए थे, वहीं वर्ष 2016 में इसकी संख्या बढ़कर 89 लाख हो गई।

12. छोटी–छोटी आदतों में बदलाव लाकर भी हम पर्यावरण का संरक्षण एवं संवर्धन कर सकते हैं। एक टन कागज बनाने के लिए 17 पेड़ काटे जाते हैं। मैंने भी संसद को ''पेपरलेस'' बनाने की कोशिश की है एवं संसदीय प्रक्रियाओं एवं दस्तावेजों का digitization

करके वृक्षों को बचाने का प्रयास किया है। इन प्रयासों के फलस्वरूप पिछले दो वर्षों में लगभग 1500 पेड़ कटने से बचे हैं।

13. सतत् विकास लक्ष्यों में ''पर्यावरणीय स्थिरता'' सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। मैंने संसद में Speaker Research Initiative (SRI) के माध्यम से माननीय सांसदों के लिए सतत् विकास लक्ष्यों के विभिन्न पहलुओं पर (पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर) वर्कशॉप के माध्यम से विस्तृत चर्चा करवाई है। संसद में भी एक दिन Sustainable Development Goals (SDG) के विषय पर विस्तृत चर्चा हुई है तथा हर सत्र में SDG के लिए एक दिन का समय रखना सुनिश्चित किया गया है।

14. स्वच्छ भारत अभियान के तहत सरकार ने देश भर में सफाई व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए व्यापक कदम उठाये हैं। सतत् विकास लक्ष्य के गोल सं. 6 में भी यही वर्णित है कि आने वाले 15 वर्षों में हम सभी को पीने के लिए स्वच्छ जल मिलेगा और सम्पूर्ण विश्व ओडीएफ (Open defaecation free) होगा। हमारे समक्ष वर्ष 2019 यानि गांधी जी की 150वीं जयन्ती तक हर गांव, शहर एवं कस्बे को साफ–सुथरा बनाने, पक्के टॉयलेट, पीने के साफ पानी एवं कचरा निपटान की दीर्घकालीन व्यवस्था सुनिश्चित कराने का लक्ष्य है और इसकी प्राप्ति के लिए तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। बीते दो वर्ष में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत केरल, हिमाचल प्रदेश एवं सिक्किम जैसे राज्य ने खुद को खुले में शौच से मुक्त राज्य घोषित कर दिया है। मुझे विश्वास है कि वर्ष 2019 तक हम इस लक्ष्य को पूर्णतः प्राप्त कर लेंगे और भारत का हर गांव ODF गांव हो जाएगा।

15. स्वच्छ भारत अभियान की विशेषता इसलिए है कि लोगों ने इसे हृदय से अपना लिया है। आजकल महिलाएं 'स्वच्छता शिल्पी' बनकर शौचालयों का निर्माण कर रही हैं। चाहे मध्यप्रदेश के सागर जिले के किरोड़ गांव की 11 वर्ष की बालिका तारा हो, जिसने अनशन कर अपने पिता जी के समक्ष घर में शौचालय बनाने की मांग रखी थी या छत्तीसगढ़ की 104 वर्षीय बुजुर्ग महिला कुंवर बाई हो या उत्तर प्रदेश की पंचायत प्रधान मंजू मौर्या अथवा छत्तीसगढ़ की महिला सरपंच उत्तरा ठाकुर या कर्नाटक की कालाबुरगी जिले की श्रीमती अकम्मा शर्ण बसावा, जिन्होंने अपने सोने के गहने और एलआईसी के बॉन्ड बेचकर भी अपने गांव में कई शौचालय बनवाए। समाज के समक्ष ऐसे अनेक अनुकरणीय उदाहरण हैं जो न केवल महिलाओं, बल्कि समस्त देशवासियों को प्रेरित करते हैं। यह मिशन जनभागीदारी के बिना संभव नहीं है। मीडिया ने भी इस अभियान को सकारात्मक सहयोग दिया है।

16. मैं यह भी कहना चाहूंगी कि वातावरण की शुद्धता के साथ–साथ अपने शरीर और मन को शुद्ध करने की भी आवश्यकता है। इसके लिए नियमित रूप से योग करना बहुत आवश्यक है। इसी माह की 21 तारीख को हम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने जा रहे है। योग के निरंतर अभ्यास से शरीर, मन और मस्तिष्क में तारतम्यता बढ़ने के साथ–साथ आत्मिक शुद्धि आती है।

17. आप सबसे यह आग्रह है कि आप साफ–सफाई के लिए सुविधानुसार समय दें। पर्यावरण संवर्धन के लिए कम–से–कम एक पौधा लगाएं और उसकी देखभाल भी करें। पितृ पर्वत के concept को सफल बनाएं। ऐसा करके आपको प्रकृति के करीब होने का एहसास

होगा। आपके समर्पण, संकल्प और विश्वास की प्रखर ज्योति देश को निस्संदेह आलोकित करेगी। Green Earth, Clean Earth is our dream worth.

18. इन्दौर की आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक विरासत अत्यन्त समृद्ध है। अब स्वच्छता में पहला स्थान प्राप्त करने के बाद हमारा अगला लक्ष्य यह होना चाहिए कि हम अपने शहर को हरा–भरा और प्राकृतिक रूप से विविधताओं से परिपूर्ण बनाएं। यहां स्वच्छता एवं हरियाली की दिशा में ऐसा काम हो कि केवल इन्दौर ही नहीं बल्कि मध्यप्रदेश पूरे भारत के लिए मिसाल बन सके। आइए, इस अवसर पर हम सब मिलकर अपने आस–पास के Ecosystem में परिवर्तन लाने का प्रण करते हुए यह संकल्प लें:– " Feel Indore, Clean Indore, Green Indore. "

''जहां जहां हम जाएंगे, स्वच्छता का दीप जलाएंगे।

पेड़ों, पौधों का रोपण कर, इसे हरा–भरा शहर बनाएंगे।''

जय हिन्द।

———————————————————————————————————————

******सोर्स सेग्रेगेशन कैम्पेन – कुड़े **(Waste)** कई प्रकार के होते हैं। उन्हें मुख्यतः दो श्रेणियों **biodegradable waste** और **non-biodegradable waste** में बांटा जाता है। **Biodegradable waste decompose** होकर खाद बन जाता है जबकि **Non-biodegradable** पदार्थों को **recycle** करके पुनः प्रयोग में लाया जा सकता है। इस कैम्पेन का उद्देश्य है कि इन दो प्रकार के कूड़े–कचरों को हरे एवं नीले रंग के डस्टबिन में रसोईघर से ही अलग कर दिया जाए ताकि उनके **further processing** में सुविधा हो।

———————————————————————————————————————